

खबर संक्षेप

मारपीट मामले में पांच आरोपी गिरफ्तार

कोसली। खुशौद नगर में मई माह में हुए झगड़े के बाद दर्ज मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर पुलिस ने 29 मई को गांव के कई लोगों के खिलाफ मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में खुशौदनगर निवासी राजकुमार, ओमबीर, सोमबीर, श्यामसुंदर और जयप्रकाश को गिरफ्तार कर लिया।

सड़क हादसे का आरोपी चालक गिरफ्तार

कुंडा। थाना खोल पुलिस ने कुंड के पास हुए सड़क हादसे के बाद दर्ज मामले में एक इंको कार चालक को गिरफ्तार किया है। हादसे के बाद पुलिस ने कार चालक के खिलाफ 15 अगस्त को केस दर्ज किया था। हादसे में बाइक सवार युद्धक गंभीर रूप से घायल हो गया था। पुलिस ने घायल के बयान पर केस दर्ज करने के बाद वाहन चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू किए थे। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में भैरमपुर भंडाणी निवासी अनिल कुमार को गिरफ्तार कर लिया। उसकी इंको कार को भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया।

दहेज उत्पीड़न मामले में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज की मांग पर एक विवाहिता को प्रताड़ित करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक गांव निवासी विवाहिता की शिकायत के बाद दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने के प्रयास किए थे। बार-बार दोनों पक्षों के बीच बातचीत कराने के बाद भी समझौता नहीं हुआ, तो पुलिस ने ससुराल पक्ष के लोगों के विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में गुरुग्राम के सेक्टर-14 निवासी अमित कुमार को गिरफ्तार किया है।

आगजनी मामले का आरोपी वारंट पर

रेवाड़ी। थाना बावल पुलिस ने मई माह में आईएमटी बावल की एक कंपनी में लगी आग के बाद दर्ज मामले में एक आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। केमिकल कंपनी में लगी आग में झुलसकर दो श्रमिकों की मौत हो गई थी, जबकि चार अन्य घायल हो गए थे। पुलिस ने इस मामले में अलग-अलग अभियोग दर्ज किए थे। कंपनी के एक अधिकारी यूपी के प्रतापपुर निवासी लालचंद भोयां को गिरफ्तार किया गया था। उसे दूसरे मामले में कोर्ट से प्रोडक्शन वारंट पर लिया गया है।

पोक्सो एक्ट की आरोपी महिला मेजी जेल

रेवाड़ी। नाबालिग बेटे को यौन शोषण का शिकार बनाने की महिला को कोसली पुलिस ने जेल भेज दिया। पुलिस ने नाबालिग लड़के के पिता के बयान पर महिला के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। आरोप है कि महिला अपने ही बेटे के साथ जबरन संबंध बनाती थी। इसकी एक वीडियो भी पुलिस को मुहैया कराई गई थी। पुलिस ने आरोपी महिला को दिल्ली से गिरफ्तार किया था।

दुष्कर्म के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

बावल। पुलिस ने शादी का झांसा देकर महिला के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर गांव के एक गंव निवासी अशोक नाम युद्धक के खिलाफ गत 7 मई को केस दर्ज किया था। महिला ने झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराने के बाद उसके बयान कोर्ट में दर्ज कराए थे। आरोपी अशोक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल में भेज दिया गया।

समाज के मांगपत्र की सभी मांगों पर विचार करने पर सहमति, समिति के चयन करने पर जमीन मुहैया कराएगी सरकार

‘मेघवाल’ शब्द को सैद्धांतिक मंजूरी, समाज के उत्थान के लिए 31 लाख देने का ऐलान

हरिभूमि न्यूज ►► रेवाड़ी

मेघवाल उत्थान समिति की ओर से आयोजित सम्मेलन में सीएम नायब सिंह सैनी ने समाज को खुश करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। समिति की सबसे बड़ी मांग ‘मेघवाल’ शब्द के इस्तेमाल को सैद्धांतिक मंजूरी दिलाने की है, ताकि जाति प्रमाण पत्र में इस शब्द का उल्लेख किया जा सके। सीएम ने समिति को भरोसा दिलाया कि वह अपने लेटर हेड पर केंद्र सरकार को इसके लिए पत्र लिखेंगे। समाज के लिए धर्मशाला या सामुदायिक केंद्र बनाने के लिए जमीन उपलब्ध कराने की मांग पर उन्होंने कहा कि समिति जमीन का चयन खुद करे, इसके बाद सरकार जमीन उपलब्ध करा देगी।

सीएम ने समाज के उत्थान के लिए अपनी ओर से 31 लाख रुपये देने की घोषणा करते हुए कहा कि मेघवाल उत्थान समिति द्वारा रखी गई सभी 10 मांगों को आवश्यक

स्वीकृति के लिए संबंधित विभागों को भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि हर पंचायत में पुस्तकालय स्थापित करने का सरकार का लक्ष्य है और प्रदेश में अब तक करीब 1,000 पुस्तकालय खोले जा चुके हैं, जल्द ही सभी गांवों तक इस योजना का विस्तार किया जाएगा, ताकि बच्चों को पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए दूर न जाना पड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य जरूरतमंद वर्गों को केवल आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि उन्हें सम्मान के साथ आमंत्रित करना है। प्रदेश में मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के तहत अनुसूचित जाति परिवारों की बेटियों के विवाह पर 71 हजार रुपये की सहायता दी जाती है और पिछले 11 वर्षों में इसके तहत 1,200 करोड़ रुपये वितरित किए गए हैं। वहीं, पिछले 18 माह में लाडो लक्ष्मी योजना के तहत 10 लाख बहनों के खातों में 2,042 करोड़ रुपये पहुंचाए गए हैं। योजना के विस्तार के लिए सितंबर माह में पंजीकरण पोर्टल खोला जाएगा, जिसमें 1.80 लाख रुपये तक वार्षिक आय वाले परिवारों की बहनें आवेदन कर सकेंगी।



रेवाड़ी। सीएम व अन्य अतिथियों का स्वागत करते समिति के पदाधिकारी।

संतों ने दी सामाजिक समरसता की प्रेरणा: डा. कृष्ण

विधायक डॉ. कृष्ण कुमार ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने शिक्षा, संगठन और आत्मसम्मान को समाज की प्रगति का आधार बताते हुए संविधान के माध्यम से देश को समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व के महान आदर्श दिए। संत शिरोमणि गुरु रविदास और संत कबीर ने भी समाज को ऊंच-नीच और भेदभाव से ऊपर उठकर भाईचारे तथा समरसता के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के विचार और बाबा साहेब के समानता के सिद्धांत का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति का उत्थान और सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करना था।

हर वर्ग तक पहुंच रहा योजनाओं का लाभ

पूर्व मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने मेघवाल उत्थान समिति द्वारा आयोजित समरसता सम्मेलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह की सराहना करते हुए कहा कि समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करना उन्हें प्रोत्साहित करने के साथ-साथ नई पीढ़ी को शिक्षा, परिश्रम और सफलता के लिए प्रेरित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

411 युवा प्रतिभाओं को किया सम्मानित

मुख्यमंत्री ने अनुसूचित एवं सामाजिक समरसता प्रतिभा सम्मान समारोह में मेघवाल समाज की 411 युवा प्रतिभाओं को सम्मानित किया। इन होनहार विद्यार्थियों ने शिक्षा, विक्तिरसा, इंजीनियरिंग, खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर समाज और प्रदेश का नाम रोशन किया है। मुख्यमंत्री ने कुछ प्रतिभाओं को मंच पर मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री तथा अन्य गणमान्य अतिथियों के आगमन पर मेघवाल उत्थान समिति के प्रधान वेद प्रकाश एवं भूपेन्द्र मेघवाल ने उनका स्वागत किया। एडवोकेट रजवंत डहिगवाल ने मंच संचालन किया।



रेवाड़ी। सम्मेलन में प्रतिभाओं को सम्मानित करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी।

अहीरवाल में विकास की तस्वीर बदली: नरबीर

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2014 के बाद अहीरवाल क्षेत्र में विकास की तस्वीर में बड़ा बदलाव आया है। पहले विकास और रोजगार कुछ क्षेत्रों तक सीमित रहने की शिकायतें थीं, लेकिन भाजपा सरकार ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना के साथ पूरे प्रदेश में समान विकास को गति दी। उन्होंने कहा कि आज अहीरवाल क्षेत्र में सड़क, रोजगार और अन्य विकास कार्यों में व्यापक बदलाव दिखाई दे रहा है। राव नरबीर सिंह ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के सहज, सरल और मिलनसार स्वभाव की सराहना भी की।

यह लोग रहे कार्यक्रम में मौजूद

इस अवसर पर भाजपा जिला प्रमारी मदनलाल गोयल, भाजपा जिलाध्यक्ष डा. चंदना पोपली, हरियाणा लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य पवन धनवाल, पूर्व मंत्री जसवंत सिंह, पूर्व विधायक रामबीर सिंह, पीपीपी स्टेट कोऑर्डिनेटर सीता खोला, डा. अरविंद यादव, कृष्ण इंजीनियर, मेघवाल उत्थान समिति के प्रधान वेद प्रकाश, महासचिव भूपेन्द्र मेघवाल, सुरजमान, रजवंत डहिगवाल, भाजपा जिला महामंत्री पंडित हिमांशु पातौवाल व कुलदीप चौहान सहित मेघवाल समिति के संयोजक वेद प्रकाश, कानूनी सलाहकार एडवोकेट रजवंत डहिगवाल, अध्यक्ष सुरजमान जगदीश प्रसाद डहिगवाल, सचिव भूपेन्द्र, मुख्य सलाहकार सावंत सिंह, जिला प्रधान महेंद्र सिंह, विक्रमबेरवाल, भागीसिंह, रंजुलाम, फतेसिंह, हरीसिंह, बलबीर, राधेश्याम, सतीश, सरपाल, दिनेश, डा. सुरेंद्र, मास्टर बलवंत व प्रीतम मौजूद थे।

जाम के कारणा वाहन चालकों का समय के साथ इंधन भी बर्बाद हो रहा

हरिभूमि न्यूज ►► धारूहेड़ा

धारूहेड़ा कस्बे में रेवाड़ी-पलवल-सोहना रोड पूरी तरह अतिक्रमण की गिरफ्त में आ चुका है। अतिक्रमण के कारण हर समय जाम की स्थिति बनी रहने से वाहन चालकों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। जाम के कारण वाहन चालकों का समय के साथ इंधन भी बर्बाद हो रहा है। नगरपालिका व नेशनल हाईवे 919 के पीडी अतिक्रमण से निजात दिलाने को लेकर कार्रवाई तक नहीं कर रहे हैं। कस्बे के भगत सिंह चौक से काम्पेक्स तक दुकानदारों ने 20-20 फीट के चबूतर बना लिए हैं, जिससे ट्रैफिक जाम रहने से प्रदूषण फैल रहा है।

धारूहेड़ा में रात के समय जाम से बिगड़ रहे हालात अतिक्रमण और अवैध पार्किंग बनी परेशानी



रेवाड़ी। धारूहेड़ा में रात के समय जाम में फंसे वाहन।

सड़कों को चौड़ा करने की उठी मांग

कस्बावासियों ने कहा कि बढ़ते ट्रैफिक व अतिक्रमण को लेकर सड़कों को चौड़ी करना जरूरी है, क्योंकि सोहना रोड नेशनल हाइवे-919 है, जोकि मिवाडी इंडस्ट्रियल एरिये को जोड़ता है। सोहना, पलवल, फरीदाबाद, मिवाडी व अलवर जाने के लिए वाहनों का आवागमन यहीं से होता है, जिसके कारण हमेशा जाम लगा रहता है। जाम से निजात दिलाने के लिए फ्लाईओवर तथा पुलिस स्टेशन के पास सड़क लूप जरूरी है। जाम लगने से जहां आमजन परेशान है, वहीं पुलिस भी समस्या से परेशान हो चुकी है। वाहन चालकों व दुकानदारों ने नेशनल

हाइवे-919 को अवैध पार्किंग स्थल भी बना दिया है। हर समय रहते जाम के कारण आसपास के आसपास लगते हुए गांवों के लोग भी परेशान हैं। जब हाइवे पर वाहनों का लंबा जाम लगता है, तो आसपास के उद्यमी व व्यापारी अपने वाहनों को गांव के रास्ते निकालते हैं। नेशनल हाइवे पर जाम में वाहन कई घंटे स्टार्ट खड़े रहते हैं, जिससे धुंध के कारण वातावरण दूषित हो रहा है। आसपास रहने वाले लोगों, होटल व दबा संघालकों को दूषित हवा में सांस लेनी पड़ रही है। कस्बे के लोगों ने सड़क से अतिक्रमण हटाने तथा अवैध पार्किंग हटाने की मांग की है।

हत्याकांड के दूसरे आरोपियों की तलाश की जा रही

हरिभूमि न्यूज ►► रेवाड़ी

गत 21 अगस्त को गोकलपुर के पास बाइक को कार से टक्कर मारने के बाद तीन युवकों को बेरहमी से पीटकर दो की मौत के घाट उतारने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। हत्याकांड के दूसरे आरोपियों की तलाश की जा रही है। कॉलेज छात्रों के बीच आपसी विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया था। दो छात्र गुटों की ओर से अपने-अपने साथियों को बुलाया गया था। एक बाइक पर मोहैया निवासी जितिन, निर्मानियावास निवासी हिमेश और बुड़ाना निवासी यशपाल झगड़े की आशंका से बचते हुए बाइक लेकर

डबल मर्डर केस में पहली गिरफ्तारी बुड़ानी का आरोपी चढ़ा पुलिस के हथ्थे



बाग रहे थे। इसी दौरान कार की टक्कर मारकर उन्हें सड़क पर गिराने के बाद जमकर पीटा गया। मारपीट में जितिन और हिमेश की मौत हो गई थी, जबकि यशपाल का अस्पताल में उपचार चल रहा है। सदर थाना

ऑपरेशन मुस्कान के तहत बच्चे को परिजनों से मिलाया

हरिभूमि न्यूज ►► रेवाड़ी

गोकल गेट चौकी पुलिस ने रविवार को बाजार में लावारिस हालत में घूम रहे 3 साल के नाबालिग बच्चे के परिजनों की तलाश सफुशल उनके हवाले किया। रविवार को पुलिस को बाजार में एक 3 साल के बच्चे के लावारिस हालत में घूमने की सूचना मिली थी। सूचना पर गोकल गेट चौकी पुलिस टीम ने बच्चे को बरामद कर उसके परिवार के बारे में पूछताछ की तो वह कुछ नहीं बता

पाया। बच्चे को चौकी गोकल गेट लाया गया और आसपास के इलाके में उसके परिजनों की तलाश शुरू की गई। बाद में पता चला कि बच्चा मोहल्ला मेहरवाड़ा का रहने वाला है, जिसके बाद पुलिस ने उसके परिजनों से संपर्क किया तो बच्चे के पिता भूपेंद्र ने बताया की दोपहर को उसका बेटा घर से बिना बताए कहीं चला गया था, जिसकी उन्होंने अपने स्तर पर काफी तलाश की। बच्चे के मिलने पर परिजनों ने पुलिस का आभार जताया।



रेवाड़ी। बच्चे को पिता को सौंपते हुए पुलिसकर्मी।

फोटो :हरिभूमि

साइबर ठग सोशल मीडिया पर कम समय में कई गुना मुनाफे का झांसा दे रहे क्रिप्टो इंवेस्टमेंट और फॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर हो रही ठगी से रहे सावधान: एसपी मीणा

हरिभूमि न्यूज ►► रेवाड़ी

साइबर अपराधी लोगों को कम समय में अधिक मुनाफा कमाने का लालच देकर क्रिप्टो इंवेस्टमेंट और फॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर ठगी कर रहे हैं। साइबर ठग सोशल मीडिया, व्हाट्सअप, टेलीग्राम तथा अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से लोगों से संपर्क कर उन्हें फर्जी ट्रेडिंग ऐप, वेबसाइट या निवेश ग्रुप से जोड़ते हैं और निवेश के नाम पर लाखों रुपये की ठगी कर लेते हैं। एसपी हेमंद कुमार मीणा ने ऐसी साइबर ठगी से आमजन को सतर्क रहने की सलाह दी है। एसपी ने बताया कि साइबर ठग सोशल

मीडिया पर कम समय में कई गुना मुनाफे का झांसा देते हैं। व्हाट्सअप व टेलीग्राम ग्रुप में जोड़कर फर्जी निवेश विशेषज्ञ या ट्रेडिंग एक्सपर्ट बनकर भरोसा जीतते हैं। फर्जी ऐप-वेबसाइट पर निवेश की राशि और बढ़ता हुआ मुनाफा दिखाया जाता है। शुरुआत में छोटी रकम पर मुनाफा दिखाकर पीड़ित का विश्वास जीतते हैं और बाद में बड़ी रकम निवेश करा लेते हैं। रकम निकालने के समय टैक्स, जीएसटी, प्रोसेसिंग फीस, विज्ञापन चार्ज या अन्य शुल्क के नाम पर अतिरिक्त पैसे मांगे जाते हैं। पैसे जमा करने के बाद ठग संपर्क बंद कर देते हैं या फर्जी ऐप-वेबसाइट से अकाउंट ब्लॉक कर देते हैं।

साइबर ठगी से बचने के लिए क्या करें

सोशल मीडिया पर मिले किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर क्रिप्टो और फॉरेक्स ट्रेडिंग में निवेश न करें। गारंटीड या निश्चित रिटर्न का दावा करने वाली योजनाओं से सावधान रहें। किसी भी ट्रेडिंग ऐप या वेबसाइट को डाउनलोड करने से पहले उसकी विश्वसनीयता और आधिकारिक स्रोत की जांच करें। किसी अनजान व्यक्ति द्वारा भेजी गई एपोंके फाइल, लिंक या स्क्रीन-शेयरिंग ऐप को डाउनलोड न करें। अपना ओटीपी, पिन, सीवीवी, यूपीआई पिन, पासवर्ड या बैंक संबंधी जानकारी किसी के साथ साझा न करें। निवेश करने से पहले संबंधित संस्था, कंपनी या प्लेटफॉर्म की वैधता की स्वतंत्र रूप से जांच करें। यदि कोई व्यक्ति ऑनलाइन निवेश के नाम पर पहले पैसे जमा कराकर बाद में पैसे निकालने के लिए अतिरिक्त शुल्क मांगता है, तो सतर्क हो जाएं।

ठगी होने पर ये करें कार्रवाई

एसपी हेमंद कुमार मीणा ने कहा कि साइबर ठगी का शिकार होने पर घबराएं नहीं और ठग से बातचीत या लेन-देन जारी रखने के बजाय तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करें। संबंधित बैंक-चौकरी को तत्काल सूचना देकर लेन-देन को रोकने का प्रयास करें तथा ठगी से संबंधित मोबाइल नंबर व्हाट्सअप-टेलीग्राम चैट, लिंक, वेबसाइट, स्क्रीनशॉट, बैंक विवरण और ट्रान्जेक्शन आईडी जैसे साक्ष्य सुरक्षित रखें। एसपी ने कहा कि साइबर अपराधी लगातार ठगी के नए तरीके अपना रहे हैं। ऑनलाइन निवेश में किसी भी प्रकार का लालच, जल्दबाजी या बिना सत्यापन के भरोसा नुकसान का कारण बन सकता है।

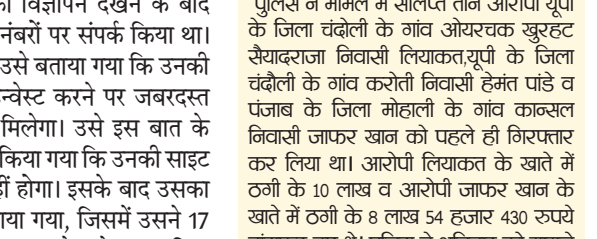


फोटो :हरिभूमि

ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर 28.54 लाख की ठगी का चौथा आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज ►► रेवाड़ी

साइबर थाना पुलिस ने शहर के एक व्यापारी से ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर मोटे मुनाफे का लालच देकर 28.54 लाख रुपये की साइबर ठगी करने के मामले एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान जिला अंबाला के सेक्टर-9 हालआबाद पंजाब के मोहाली के खरड़ की वर्ल्ड वन सोसायटी निवासी सुखमनजीत सिंह के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। गत वर्ष 25 अगस्त को मोहल्ला नई आबादी निवासी व्यापारी योगेश गोयल ने अपनी शिकायत में बताया था कि उसने इंटरनेट पर ऑनलाइन ट्रेडिंग से मोटा मुनाफा कमाने का विज्ञापन देखने के बाद उस पर दिए गए नंबरों पर संपर्क किया था। बातचीत के बाद उसे बताया गया कि उनकी साइट पर पैसा इन्वेस्ट करने पर जबरदस्त ब्याज व बोनस मिलेगा। उसे इस बात के लिए भी आश्चर्य किया गया कि उनकी साइट पर कोई फ्रॉड नहीं होगा। इसके बाद उसका एक वॉलेंट बनवाया गया, जिसमें उसने 17 अगस्त को 10 लाख रुपये इन्वेस्ट कर दिए। यह रकम जमा कराने के बाद उसने बताया गया कि उसका 4 लाख रुपये का मुनाफा वॉलेंट में आ गया है। अब उसके खाते में राशि 14 लाख हो गई है। राशि निकालने के लिए उसने 10 लाख रुपये और जमा कराने होंगे। उसने यह राशि भी जमा करा दी। उसे बताया गया कि अब उसका बोनस और मुनाफा बढ़कर 30 लाख रुपये हो गया है। इसे निकालने के लिए जीएसटी सहित 8,54,430 रुपये और जमा कराने होंगे। उसने यह राशि भी जमा करा दी। जब उसने



रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी। फोटो :हरिभूमि

तीन आरोपी पहले ही गिरफ्तार हो चुके

पुलिस ने मामले में सिल्लित तीन आरोपी यूपी के जिला चंदौली के गांव ओयरचक खुरहल सैयदराजा निवासी लियाकत यूपी के जिला चंदौली के गांव करौली निवासी हेमंत पांडे व पंजाब के जिला मोहाली के गांव काकसल निवासी जाफर खान को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। आरोपी लियाकत के खाते में ठगी के 10 लाख व आरोपी जाफर खान के खाते में ठगी के 8 लाख 54 हजार 430 रुपये ट्रांसफर हुए थे। पुलिस ने शनिवार को मामले में सिल्लित सुखमनजीत सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी सुखमनजीत सिंह ने ट्रांसफर हुए थे। पुलिस ने शनिवार को मामले में सिल्लित सुखमनजीत सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी सुखमनजीत सिंह ने अदालत में पेश करके पूछताछ के लिए दो दिन के रिमांड पर लिया है। अपने वॉलेंट से यह राशि निकालने का प्रयास किया, तो उसे और पैसे जमा कराने के लिए कहा। इसके बाद उसे ठगी का अहसास हुआ। उसके साथ 28 लाख 54 हजार 430 रुपये की साइबर ठगी की गई।

कहानी

मनीषा मंजरी



रक्षाबंधन का उपहार

खिड़की से आती सुबह की धूप उस मटमैली फ़ाइल पर लिखे अक्षरों को और भी उभार रही थी। संजय अपनी आँखें बंद किये वहीं सोफे पर बैठा था, कुछ क्षणों बाद उसने आँखें खोली और उस फ़ाइल को खोला, जिसमें अदालत की तारीख, संपत्ति के कागज और कुछ पुराने दस्तावेज़ थे। उसने एक-एक कर सारे कागज़ों को देखा और फिर फ़ाइल बंद कर दी।

उसकी नज़रें फिर सामने की दीवार पर टंगी घड़ी पर गईं, समय हो चला था उसे आज फिर अदालत जाना था। उसने कपड़े निकालने के लिए अलमारी खोली, तो हाथ अनायास ही सबसे ऊपर वाले खाने में रखे उस छोटे से पुराने डिब्बे तक पहुंच गए। उसे उठाया, तो उसके हाथ स्वतः ही कांप उठे। डिब्बा खोला तो अंदर रागिनी की बांधी हुई राखियां मुस्कुरा रही थीं। उसने कांपते हाथों से उन राखियों को छुआ, कुछ राखियों के रंग उतर चुके थे, कुछ के रेशम बिखरें थे, एक पुरानी राखी से सफ़ेद मोती धड़झड़ा कर नीचे गिरने लगे। वो झुका पर उन्हें थाम ना सका और मोती फर्श पर गिरकर बिखर गए। आंखें कुछ पल के लिए जैसे शून्य हो गईं और यादों ने जहन को घेर लिया।

“भैया, हाथ आगे करो।”

छोटी बहन रागिनी हर साल राखी बाँधते हुए इतनी गंभीर हो जाती थी जैसे कोई बहुत बड़ा संस्कार निभा रही हो, और फिर मिठाई से पहले अपना उपहार मांगती, “इस बार क्या लाए हो?”

संजय हँसकर कहता, “पहले राखी तो बाँधो।”

“नहीं। पहले बताओ।”

उन छोटी-छोटी बातों को याद करते हुए संजय के होंठों पर मुस्कान आई, लेकिन अगले ही पल वह मुस्कान बुझ गई। अदालत में प्रवेश करते हीं नजर सबसे पहले रागिनी पर पड़ी, उसने भी एक पल की नज़रें मिलायी और फिर ऐसे पलटी जैसे पहचानती हीं नहीं हो। यह वही अदालत थी, जहाँ पिछले तीन वर्षों से वह अपनी ही बहन के विरुद्ध खड़ा होता आया था। कभी जिस लड़की की छोटी-सी उंगली पकड़कर वह स्कूल छोड़ने जाता था, आज उसी के साथ उसके रिश्ते का फैसला कुछ कागज़ों और गवाहियों के बीच होना था। वो बहस आज भी उसके कानों में गूँजती थी, जिसने दोनों के रिश्तों के बीच खाई खींच दी थी।

“भैया, ये पापा का घर है, इसे बेचने का फैसला आप अकेले कैसे कर सकते हैं?”

तीन साल पहले रागिनी ने यही कहा था। संजय ने भी पलटकर कहा था, “मैं अकेले कहाँ कर रहा हूँ? पापा ने वसीयत में आधा हिस्सा मेरे नाम किया था।”

“और आधा मेरे नाम।”

“तो फिर समस्या क्या है?”

“समस्या यह है कि तुम घर बेचना चाहते हो और मैं नहीं।”



अगले दिन दोनों फिर अदालत पहुंचे। वकील और कागज़ तैयार थे और मामला भी तैयार था, लेकिन इस बार दोनों के बीच कोई मुकदमा नहीं था। संजय ने न्यायाधीश के सामने कहा, “हमने फैसला कर लिया है। घर नहीं बिकेगा।” रागिनी ने आगे कहा, “हम उसे वैसे ही रखेंगे, और पापा का कमरा बंद नहीं होगा।”

उस दिन के बाद बातचीत धीरे-धीरे बहस में, बहस आरोपों में और आरोप मुकदमों में बदल गए। पिता की मृत्यु के बाद जिस घर में दोनों को एक-दूसरे का सहारा बनना चाहिए था, वही घर दोनों के बीच दीवार बन गया था।

वकील दस्तावेज़ देख रहे थे। न्यायाधीश ने पिछली सुनवाई की बातें पूछीं, और फिर कहा, “आपके पिता की मूल वसीयत मेरे सामने है। इसमें एक अतिरिक्त पन्ना भी संलग्न है। क्या दोनों पक्षों ने इसे पढ़ा है?”

दोनों ने एक-दूसरे की ओर देखा, और लगभग एक साथ कहा, “नहीं।”

न्यायाधीश ने वह पन्ना पढ़ने के लिए सामने रख दिया। वह उनके पिता की लिखावट थी। कुछ पंक्तियां पढ़ते ही संजय की उंगलियां कांपने लगीं। वसीयत में संपत्ति का बंटवारा तो स्पष्ट था, लेकिन अंत में एक शर्त लिखी थी,

“मेरे जाने के बाद यदि मेरे बच्चों के बीच इस घर को लेकर विवाद हो, तो इस घर का अंतिम फैसला किसी वकील या अदालत में नहीं, दोनों भाई-बहन को आमने-सामने बैठकर करना होगा। दोनों एक-दूसरे की एक बात बिना टोके सुनेंगे। उसके बाद जो निर्णय दोनों मिलकर लें, वही मेरी अंतिम इच्छा मानी जाएगी।”

वो कमरा कुछ पलों के लिए मौन हो उठा और फिर न्यायाधीश ने दोनों को देखते हुए पूछा, “क्या आप दोनों तैयार हैं?”

संजय और रागिनी दोनों ने हामी में सिर हिला दिया। अदालत के बाहर एक छोटे से कमरे में दोनों एक-दूसरे के आमने सामने बैठे, और साथ हीं बैठी तीन साल की नाराजगी। संजय ने एक गहरी सांस ली और फिर कहा,

“पहले तुम बोलो।”

रागिनी कुछ पल चुप बैठी रही और फिर उसने कहा,

“मुझे घर नहीं चाहिए, भैया।”

संजय ने चौंकते हुए कहा, “फिर?”

“मुझे वो घर चाहिए था जिसमें पापा थे।”

संजय की आंखें झुक गईं। रागिनी ने आगे कहा, “जब आपने घर बेचने की बात की, मुझे लगा आप पापा की आखिरी निशानी भी बेच देना चाहते हैं। मुझे लगा आपको उस घर से कोई लगाव नहीं रहा।”

संजय ने पहली बार उसकी ओर देखा,

“और मुझे लगा,” उसने धीरे से कहा, “कि तुम्हें घर चाहिए था, भाई नहीं।”

रागिनी की आंखों में आंसू आ गए,

“मैंने ऐसा कब कहा?”

“तुमने नहीं कहा, पर मैंने समझ लिया।”

दोनों कुछ देर चुप रहे। फिर संजय ने कहा, “मैं घर इसलिए बेचना चाहता था क्योंकि पापा के इलाज में जो कर्ज हुआ था, उसे चुकाना था। बैंक वाले लगातार फोन कर रहे थे। मैं तुम्हें बताना चाहता था, लेकिन?”

“तुम पहले से पापा को खोने के दुख में थीं। मुझे लगा तुम्हें और परेशान नहीं करूँ।”

रागिनी ने सिर उठाया,

“और मैंने समझा कि तुम पैसे के लिए घर बेचना चाहते हो।”

दोनों को अचानक एहसास हुआ कि तीन साल की लड़ाई किसी बड़े विश्वासघात की वजह से नहीं, बल्कि दो अधूरी बातों की वजह से थी।

कवि कॉर्नर

कविता

डॉ. कमलेश मलिक



इस बार सावन

कैसा है निगोड़ा सावन
बादल यूँ बरसे तालाब बना आँगन
सदियों से घरसे च्यासा यह तन मन

घुमड़- घुमड़ बदरा नभ में धिर जाता
उकँठित होकर ज्यों धरती को तकता
धूमिल सी चुनरी को एक और सरका
प्रलयस्तित होकर वह झरना सा झरता

गगन और वसुधा का कैसा आकर्षण
आत्मसात होकर क्यों गाया-मन-बंधन
कैसा है निगोड़ा

सावन पात-पात खिल जाता शाखा झटलाती
रोमांचित हो- हो कर आँवल लहराती सुंदर
पंख उठा कर मोर धिरकने लगते
बरखा सरगम सी रिमझिम रिमझिम गाती

विद्युत छटा निराली बयार बही मनमग्न
रोके ना रुके चित्त- चोर हुआ यह सावन
कैसा है निगोड़ा सावन

दोहे

भूपसिंह 'भारती'



रक्षाबंधन

राखी बाँधू बीर को, तिलक लगाऊँ माथ।
रक्षा मेरी सदा करे, देकर मेरा साथ॥

राखी का त्योहार है, सावन की सौगात।
कच्चा धागा प्रेम का, बहना बांधे भात॥

बहन भाई सदा करे, आपस में सम्मान।
भाई के दिल में रहे, बहना की ये जान॥

स्नेह, त्याग, अनुराग के, भाव भरे भरपूर।
बहना की राखी करे, वैरभाव को दूर॥

सावन की सौगात है, राखी के ये रँग।
रक्षाबंधन मन रहा, सदा प्रेम के रँग॥

सदा सावणी पूर्णिमा, आता ये त्योहार।
बांध पोंहती हाथ में, बहना करे दुलार॥

धागा बांधे प्रेम का, बहना भैया हाथ।
पानी पीया वार कर, किया आरता साथ॥

बाँधा कच्चा सूत है, भैया रखना लाज।
बंधन है ये नेह का, इस पर करना गाज॥

बहना मेरी लाटली, खूब गजब अंदाज।
सदा निमाऊँ शान से, राखी की मैं लाज॥

राखी तो विश्वास का, हो न्यारा त्योहार।
सदा कलाई पर सजे, बहना का ये प्यार॥

फेरों के बिना शादी और सबूत बिन सजा अधूरी

व्यंग्य

आसिम अनमोल



हमारे देश भारत में सबूत घूमता-फिरता बहुत है लेकिन आसानी से किसी के हथ्ये नहीं चढ़ता। जैसे फेरों के बिना शादी अधूरी। ठीक वैसे ही सबूत के बिना सजा अधूरी। अब पुलिस वालों को थोड़ा सोचना चाहिए कि इतने वर्षों में हमारे देश की आम जनता ने देश की सियासत के प्रति अपने दिलों में ढेरों अविश्वास इकट्ठा करके दिखा दिया, पर तुम एक सबूत इकट्ठा नहीं कर पाए। हमारी पुलिस भले ही सबूत इकट्ठा न कर पाए, परन्तु लोगों की भौड़ बड़ी खूबसूरती से डंडा फटकार-फटकार के इकट्ठा कर लेती है। लोगों की आनन-फानन की गवाही में ही सबूत को ढूँढ़ने और खखोड़ने का एक नायाब प्रयास करती है। असली सबूत न जाने कहां मटरगश्ती कर रहा होता है।

उल्लेखनीय है कि अगर सबूत ही इकट्ठा होने शुरू हो जाएंगे तो देश की अदालतों में बिना सबूत के सैकड़ों मामले पोंडिंग के रूप में अदालतों की शोभा कैसे बढ़ाएंगे? पुलिस का धन्यवाद प्रकट करना चाहिए कि आप सबूत का इतना उम्दा ख्याल रखते हैं कि बड़ी-बड़ी अदालतें तक सबूत की शकलों-सूरत को देखने के लिए

हर समय तरसती रहती हैं। जैसे विगत वर्षों में अनेक केसों में सबूत के लिए अदालतें तरसती रही हैं। पुलिस को गौर करना चाहिए कि सरकार तनखाह आपको सबूत इकट्ठा करने की देती है। घटनास्थल से खाली हाथ आने की नहीं। सबूत अगर आपको नहीं मिल रहा है तो सबूत का आप पता ढूँढ़िए। थोड़ी देर के लिए पोस्टमैन बन जाएं। मिलने

जब हम अपनी जीप लेकर पहुंचते तो तुम घटना स्थल पर हमको नज़र आ जाया करो। हमारी जान में जान आ जाएगी। तुम समझते क्यों नहीं कि तुम ही तो हादसे की ताकत हो। तुम्ही तो पहचान हो, अदालतों का सहारा हो।

पहुंचते तो हैं। तुम न जाने उस समय कहाँ खिसक लेते हो। जब हम अपनी जीप लेकर पहुंचा करें तो तुम घटना स्थल पर हमको नज़र आ जाया करो। हमारी जान में जान आ जाएगी। तुम समझते क्यों नहीं कि तुम ही तो हादसे की ताकत हो। तुम्ही तो पहचान हो। अदालतों का सहारा हो। बस तुम सामने आ जाया करो। सब समस्या हल हो जाया करेगी।

मोटिवेशनल

रुकना नहीं है : युवाओं के लिए सफलता का नया मंत्र

आज का युवा एक ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहाँ अवसरों की कोई कमी नहीं है, लेकिन चुनौतियों भी पहले से कहीं अधिक हैं। हाथ में स्मार्टफोन है, दुनिया की जानकारी एक क्लिक पर है, नई तकनीकें तेजी से बदल रही हैं, लेकिन दूसरी ओर रोजगार की कितनी, प्रतियोगी परीक्षाओं का दबाव, बढ़ती प्रतिस्पर्धा और भविष्य को लेकर असमंजस भी युवाओं के सामने बड़ी चुनौतियाँ हैं। भारत की युवा शक्ति विशाल है, लेकिन शिक्षा से रोजगार तक का सफर अभी भी अनेक युवाओं के लिए कठिन बना हुआ है। ऐसे समय में सबसे बड़ी जरूरत है, निराश होने की नहीं, स्वयं को बदलते समय के अनुसार तैयार करने की। आज केवल डिग्री प्राप्त कर लेना सफलता की गारंटी नहीं है। बदलती दुनिया में ज्ञान के साथ कौशल, संवाद क्षमता, समस्या समाधान, रचनात्मकता और नई तकनीकों को सीखने की इच्छा भी उतनी ही आवश्यक हो गई है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी तकनीकें काम करने के तरीके बदल रही हैं और अनुकूलन की क्षमता भविष्य की महत्वपूर्ण ताकत बनती जा रही है। लेकिन हमें यह भी समझना होगा कि तकनीक कभी मेहनत, सोच और मानवीय संवेदनाओं का विकल्प नहीं बन सकती। जो युवा नई तकनीक को अपना सहयोगी बनाकर अपनी क्षमताओं को बेहतर करेगा, वही आने वाले समय में आगे बढ़ेगा। आज सोशल मीडिया पर हमें दूसरों की सफलता दिखाई देती है, लेकिन उनकी असफलताओं और संघर्षों की कहानी अक्सर दिखाई नहीं देती। किसी की सफलता देखकर स्वयं को कमतर समझना बंद करना होगा। हर व्यक्ति की यात्रा, परिस्थितियाँ और मंजिल अलग होती है। तुलना यदि करनी है तो कल के अपने आप से कीजिए।

विपुल शर्मा
मोटिवेशनल
स्पीकर

लघु कथा

रक्षाबंधन

रक्षाबंधन पर गुप्ता जी बहन के घर पहुंचे। भोजन के बाद संगीत की महफिल जम गई। उन्होंने अपनी नई गजालें सुनाईं। खूब वाह-वाह हुई। तभी छोटी बहन बबली मुस्कुराकर बोली, 'भैया, वाजले बहुत सुंदर हैं... पर उन्हें भी तो सुनाओ, जो तुम्हारी गजालों की असली प्रेरणा हैं।' 'अरे, बबली, तेरी भाभी को फुर्सत ही कहा है।' गुप्ता जी हसकर बोले। बबली की मुस्कान गंभीर हो गई। 'फुर्सत मिले भी तो कैसे? छोटे बच्चे, घर, बाहर के काम, रिश्तेदारियां... सब भाभी संभालती हैं और तुम? बैंक, टीवी और वाजल। कभी उनके हिस्से का थोड़ा-सा जीवन भी जीकर देखो, शायद तुम्हारी वाजलों में और भी सच्चाई उतर आए।' पहली बार महफिल में सन्नाटा छा गया। घर लौटते ही गुप्ता जी ने कहा, 'रीना, आज से बैंक, बाजार, बिल और बाहर के सारे काम मैं देखूंगा, तुम घर और बच्चे देखो।' रीना ने उनकी ओर देखा पर विश्वास नहीं कर पाई। लेकिन गुप्ता जी ने सोच लिया था। इस बार इरादा सच निकला। धीरे-धीरे घर का बोझ हट गया। घर में सुकून गहराने लगा। रीना के चेहरे पर बरसों बाद खाली समय की मुस्कान लौट आई। एक शाम गुप्ता जी अपनी नई वाजल रीना को सुना रहे थे और रीना मुस्कुरा रही थी।

नील मणि
कहानीकार

पुस्तक समीक्षा

आदर्श और यथार्थ के मध्य खड़ा कालजयी पात्र ‘देवव्रत’

समीक्षक

नूपेंद्र अभिषेक नूप



महाभारत भारतीय चेतना का ऐसा महाबंध है, जिसके पात्र समय-समय पर नए अर्थों और नए प्रश्नों के साथ साहित्य में पुनः उपस्थित होते रहे हैं। प्रभात सिन्हा का उपन्यास ‘देवव्रत- कालजयी योद्धा की वीरगाथा’ भी इसी परंपरा का एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जिसमें भीम पितामह के व्यक्तित्व को केंद्र में रखकर त्याग, धर्म, मर्यादा और वचनपालन की अवधारणाओं को पुनः स्थापित करने का प्रयास किया गया है। यह कृति अनेक स्तरों पर प्रभाव छोड़ती है, किंतु इसके साथ कुछ ऐसे प्रश्न भी छोड़ जाती हैं जिन पर विचार किया जाना आवश्यक है। उपन्यास की सबसे बड़ी शक्ति उसका विषय है। भीम जैसा विराट और बहुआयामी पात्र किसी भी लेखक के लिए चुनौती भी है और अवसर भी। लेखक ने भीम को केवल महाभारत के एक योद्धा के रूप में नहीं, बल्कि धर्म के संरक्षक और आत्मसंयम के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया है। लेखक की संस्कृतिनिष्ठ हिंदी उनके अध्ययन और भाषिक सामर्थ्य का परिचय देती है। अनेक वाक्य महाकाव्यात्मक गरिमा से भरपूर हैं और पाठक को एक विशिष्ट साहित्यिक वातावरण में ले जाते हैं। किंतु यही विशेषता कई बार पुस्तक की सबसे बड़ी चुनौती भी बन जाती है। भाषा इतनी संस्कृताप्रधान हो जाती है कि वह सामान्य पाठक, विशेषकर युवा पीढ़ी, से एक दूरी बना लेती है। कुछ अंशों को पढ़ते हुए ऐसा अनुभव होता है मानो हम किसी आधुनिक उपन्यास के बजाय किसी प्राचीन ग्रंथ या वैदिक व्याख्या का पाठ कर रहे हों। साहित्यिक पाठकों के लिए यह आकर्षण का विषय हो सकता है, परंतु व्यापक पाठकवर्ग के लिए यह एक बाधा भी बन सकता है। समग्रतः ‘देवव्रत- कालजयी योद्धा की वीरगाथा’ एक गंभीर, अध्ययनपरक और महत्वाकांक्षी कृति है। इसकी भाषा, विषय और वैचारिक गहराई इसे विशिष्ट बनाती है, वहीं इसकी भाषिक जटिलता, प्रारंभिक कथात्मक उलझन और पात्र के अत्यधिक आदर्शिकरण जैसी सीमाएं भी ध्यान आकर्षित करती हैं। यह पुस्तक उन पाठकों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है जो महाभारत के पात्रों को केवल कथा के रूप में नहीं, बल्कि विचार और दर्शन के स्तर पर समझना चाहते हैं। इसकी कमियाँ होते हुए भी यह एक ऐसी कृति है जो चर्चा, विमर्श और पुनर्पाठ की संभावनाएं उपजाने करती है और किसी भी गंभीर साहित्यिक रचना की यही सबसे बड़ी सफलता होती है।

कुछ हटकर

बैचलर ऑफ मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी के बाद करियर

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर



बैचलर ऑफ मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी (बी.एम.एल.टी.) तीन/चार वर्षीय व्यावसायिक स्नातक पाठ्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को आधुनिक चिकित्सा प्रयोगशालाओं में रोगों की पहचान, परीक्षण, विश्लेषण एवं रिपोर्टिंग से संबंधित वैज्ञानिक एवं तकनीकी ज्ञान प्रदान करता है। इस पाठ्यक्रम में मुख्य रूप से विलिनकल पेशोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, हेमेटोलॉजी, इम्यूनोलॉजी, हिस्टोपैथोलॉजी, ब्लड बैंकिंग, मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स, लैब इंस्ट्रुमेंटेशन, क्वालिटी कंट्रोल तथा बायोसेफ्टी जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाता है। इन विषयों का आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है। किसी भी बीमारी का सही उपचार उसकी सटीक जांच एवं निदान पर निर्भर करता है।

विशेषज्ञताएं

- विलिनकल पेशोलॉजी
- विलिनकल बायोकेमिस्ट्री
- माइक्रोबायोलॉजी
- हेमेटोलॉजी
- हिस्टोपैथोलॉजी व साइटोलॉजी
- ब्लड बैंक एवं ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन
- मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स
- इम्यूनोलॉजी एवं सीरोलॉजी
- विलिनकल रिसर्च एवं ट्रायल्स
- क्वालिटी कंट्रोल एवं लैब मैनेजमेंट

इन विशेषज्ञताओं का उपयोग मल्टीस्पेशियलिटी में उपर्युक्त स्पेशलिटी हॉस्पिटल्स, डायग्नोस्टिक चेन, मेडिकल रिसर्च संस्थानों, फार्मास्यूटिकल कंपनियों, ब्लड बैंकों में किया जाता है।

आवश्यक कौशल

- आधुनिक लैब उपकरणों का संचालन एवं रखरखाव
- सैपल कलेक्शन एवं प्रोसेसिंग तकनीकें
- गुणवत्ता नियंत्रण एवं गुणवत्ता आश्वासन
- प्रयोगशाला सुरक्षा व बायोसेफ्टी प्रोटोकॉल
- रिपोर्ट विश्लेषण एवं डेटा प्रबंधन
- कम्यूटर एवं लैब इन्फॉर्मेशन सिस्टम



आवश्यक कौशल

- आधुनिक लैब उपकरणों का संचालन एवं रखरखाव
- सैपल कलेक्शन एवं प्रोसेसिंग तकनीकें
- गुणवत्ता नियंत्रण एवं गुणवत्ता आश्वासन
- प्रयोगशाला सुरक्षा व बायोसेफ्टी प्रोटोकॉल
- रिपोर्ट विश्लेषण एवं डेटा प्रबंधन
- कम्यूटर एवं लैब इन्फॉर्मेशन सिस्टम

निजी क्षेत्र में विकल्प

- स्वास्थ्य सेवाओं एवं डायग्नोस्टिक उद्योग के तेजी से विस्तार के कारण मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट के लिए रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध हैं।
- आय-सीमा (निजी क्षेत्र)
- फ्रेशर: लगभग 2.8–5.5 लाख वार्षिक (संस्थान, शहर एवं कौशल पर निर्भर)
- अनुभवी (5–10 वर्ष): लगभग 6–12 लाख वार्षिक; बड़े कॉर्पोरेट हॉस्पिटल्स एवं फार्मास्यूटिकल कंपनियों

सरकारी क्षेत्र में करियर विकल्प

सरकारी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों, सार्वजनिक स्वास्थ्य विभागों तथा अनुसंधान संस्थानों में भी मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट की मांग निरंतर बनी रहती है।

आय-सीमा (सरकारी क्षेत्र)

- फ्रेशर: लगभग 3–6 लाख वार्षिक (विभाग एवं पदानुसार)
- अनुभवी/वरिष्ठ: लगभग 7–12 लाख वार्षिक; वरिष्ठ तकनीकी एवं प्रशासनिक पदों पर अतिरिक्त अवसर उपलब्ध हैं।

सुझाव: किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह अवश्य लें। अधिक जानकारी के लिए आप **Career Jaano** पर भी विजिट कर सकते हैं।

राजस्थान की ओर से आकर अटैक करता है वायरस

गायों पर मंडराया लंपी वायरस का खतरा, तेज हुआ टीकाकरण अभियान

गायों में ही इस बीमारी के फैलने की आशंका सबसे ज्यादा

हरिभूमि न्यूज़ ►► रेवाड़ी



रेवाड़ी। लंपी रोग से ग्रसित गाय। फोटो : हरिभूमि

यह हैं लंपी रोग के प्रमुख लक्षण

लंपी स्किन डिजीज मुख्य रूप से मवेशियों में होने वाली वायरल बीमारी है। इसमें पशु के शरीर पर गांठें या फोड़े फुंसियां निकलने के साथ तेज बुखार, कमजोरी और भूख कम होने जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। बीमारी का असर पशु के दूध उत्पादन और स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है। रेवाड़ी में इस बीमारी पर पहले भी पशु चिकित्सा क्षेत्र में अध्ययन हो चुका है।

पशुपालकों को सावधानी बरतना जरूरी

विभाग की ओर से पशुपालकों को सलाह दी जा रही है कि यदि किसी गाय के शरीर पर अचानक गांठें या फोड़े दिखाई दें, बुखार हो या पशु खाना-पीना कम कर दे तो उसे अन्य पशुओं से अलग रखें और तुरंत पशु चिकित्सक को सूचना दें। बीमार पशु को खुले में छोड़ने के बजाय उपचार कराना जरूरी है।

था। इस साल अगस्त माह की शुरुआत से ही बड़ी संख्या में गायों में लंपी वायरस के संक्रमण के संदिग्ध केस सामने आने के बाद पशुपालन विभाग अलर्ट हो गया था। रोग फैलने से बचाने के लिए जिले में 80 प्रतिशत तक गायों का वैक्सिनेशन किया जा चुका है। सी

फीसदी लक्ष्य इसी सप्ताह पूरा किया जा सकता है। इसके बाद गायों पर लंपी वायरस के अटैक का खतरा काफी हद तक कम हो जाएगा। विभाग की ओर से संदिग्ध पशुओं की पहचान कर उनकी निगरानी और उपचार की व्यवस्था भी की जा रही है।

टीकाकरण पर विभाग का फोकस

पशुपालन विभाग ने बीमारी की रोकथाम के लिए टीकाकरण को प्राथमिकता दी है। जिले में 46 हजार 800 से अधिक गायों को वैकसीन लगाई जा चुकी है, जबकि शेष पशुओं को भी अभियान के तहत कवर करने का प्रयास किया जा रहा है। केंद्र सरकार का पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण कार्यक्रम भी टीकाकरण, बीमारी की निगरानी और समय पर उपचार को प्रमुख उपायों में शामिल करता है।

मक्खी-मच्छरों से संक्रमण की आशंका

लंपी के संक्रमण को फैलाने में मच्छर, मक्खी और अन्य खून चूसने वाले कीट भूमिका निभा सकते हैं। ऐसे में पशुशालाओं में साफ-सफाई रखने, पानी जमा न होने देने और पशुओं के आसपास कीट नियंत्रण के उपाय करने पर भी जोर दिया जा रहा है, ताकि रोग फैलने से रोका जा सके।

दूध उत्पादन में कमी आने की संभावना

लंपी का सबसे बड़ा आर्थिक असर पशुपालकों पर पड़ता है। बीमारी की चपेट में आने पर पशु की सेहत कमजोर होने के साथ दूध उत्पादन प्रभावित हो सकता है। इसलिए समय पर पहचान, अलगाव और उपचार के साथ टीकाकरण को बीमारी की रोकथाम का महत्वपूर्ण हथियार माना जा रहा है।

इन लक्षणों को नहीं करें नजरअंदाज

- शरीर पर गांठें या फोड़े-फुंसियां निकलना
- पशुओं को तेज बुखार आना
- पशुओं का खाना-पीना कम करना
- पशुओं में कमजोरी और सुस्ती आना
- दूध उत्पादन में अचानक कमी
- त्वचा पर सूजन या घाव दिखाई देना

लंपी से बड़ी चिंता

जिले के कई इलाकों में लंपी वायरस के लक्षण सामने आने लगे हैं। यह वायरस ज्यादातर गायों पर ही अटैक करता है। विभाग की ओर से वैक्सिनेशन का कार्य तेजी से शुरू किया हुआ है। अभी तक स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। राजस्थान से आने वाली गायों पर भी नजर रखी जा रही है। -डा. विनोद कुमार, उप निदेशक, पशुपालन विभाग।

आईजीयू में एमए योग के विद्यार्थियों के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज़ ►► मीरपुर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय में योग विभाग की ओर से एमए योग के प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को नए शैक्षणिक सत्र की आवश्यकताओं से परिचित कराना, उन्हें उचित शैक्षणिक दिशा प्रदान करना तथा विभागीय गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित करना रहा। इस मौके पर विभागाध्यक्ष प्रो. करण सिंह ने कहा कि योग केवल

योग मानसिक शांति, एकाग्रता एवं संतुलित जीवन का प्रभावी साधन: डॉ. करण सिंह



रेवाड़ी। योग विभाग में विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए। फोटो : हरिभूमि

शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम ही नहीं, बल्कि मानसिक शांति, एकग्रता एवं संतुलित जीवन का प्रभावी साधन है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से योगाभ्यास करने तथा योग को अपनी दैनिक जीवनचर्या का अभिन्न अंग बनाने के लिए प्रेरित किया। डा.धर्मवीर यादव ने कहा कि योग जीवन को शारीरिक, मानसिक एवं

6 सितंबर को होने वाली मैराथन में सीएम नायब सिंह सैनी करेंगे शिरकत

हरिभूमि न्यूज़ ►► रेवाड़ी

हरियाणा उदय के तहत सरकार की नशामुक्त हरियाणा को लेकर शुरू की गई मुहिम के तहत जिले में 6 सितंबर को होने वाली राज्य स्तरीय हाफ मैराथन में जिले के युवा प्रतिभांगिता कर जागरूकता का संदेश देंगे। मैराथन के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया जारी है और अभी तक 17095 से अधिक लोगों ने प्रतिभागिता दर्ज कराई है। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की ओर से नशामुक्त हरियाणा को लेकर युवाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां आयोजित कराई जा रही है। इसी के तहत प्रदेशभर में मैराथन

नशे के खिलाफ संदेश देगी मैराथन, अब तक 17 हजार से अधिक ने कराया रजिस्ट्रेशन



आयोजित कर युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया जा रहा है। राज्य स्तरीय हाफ मैराथन नशा मुक्त हरियाणा, खेल युक्त हरियाणा के संकल्प को मजबूती देगी। उन्होंने बताया कि मैराथन 5 किलोमीटर और 10 किलोमीटर की होगी। 5 किलोमीटर मैराथन के लिए पंजीकरण बिल्कुल नि:शुल्क है। वहीं 10 किलोमीटर के लिए पंजीकरण करवाने के लिए 100 रुपए शुल्क रखा गया है। उन्होंने युवाओं सहित समस्त नागरिकों से आह्वान किया है कि नशे के खिलाफ आयोजित की जानी वाली मैराथन के लिए अधिक से अधिक संख्या में पंजीकरण कराकर भाग लेना सुनिश्चित करें।

प्रतिभागियों को दिए जाएंगे ई-सर्टिफिकेट
मैराथन में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट जारी किए जाएंगे। इसके साथ-साथ 10 किलोमीटर के महिला और पुरुष दोनों वर्गों के विजेताओं को नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रथम पुरस्कार 1 लाख रुपए, द्वितीय 50 हजार और तृतीय पुरस्कार 21 हजार रुपए की राशि दी जाएगी। डीसी मीणा ने बताया कि राज्य स्तरीय हाफ मैराथन के प्रतिभागियों के लिए फस्ट एड व पेयजल सहित समस्त जरूरत व्यवस्थाएं होंगी। मैराथन के लिए सुरुआत की वृष्टि से भी व्यापक प्रबंध किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि मैराथन के लिए ऑनलाइन पंजीकरण भी किया जा सकता है।

बिजली पेंशनर्स ने की एलटीसी की पुरानी पॉलिसी लागू करने व कैशलेस मेडिकल सुविधा देने की मांग

हरिभूमि न्यूज़ ►► रेवाड़ी

हरियाणा बिजली पेंशनर्स की मासिक बैठक कानोड गेट स्थित निजी अस्पताल परिसर में बी डी यादव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का संचालन प्रधान जेई रामकिशन ने किया। सर्वप्रथम रगबीर सिंह लाईनमैन गांव बघराणा के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर एलटीसी की पुरानी पॉलिसी लागू करने और कैशलेस मेडिकल सुविधा देने की मांग को लेकर सरकार के प्रति रोष प्रकट किया



रेवाड़ी। बैठक में मौजूद एसोसिएशन के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

गया। नोजिनल इन्फ्रीमेन्ट लागू कराने में आ रही समस्याओं के समाधान को लेकर अधिकारियों से मिलने का निर्णय लिया गया। मीटिंग में अगस्त माह में पड़ने वाले सेवानिवृत्त कर्मचारियों के जन्मदिन पर राजेन्द्र शर्मा, जसवंत

आईजीयू इंसपेक्शन कमेटी ने किया महिला कॉलेज का निरीक्षण

नारनौल। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय (आईजीयू) मीरपुर की इंसपेक्शन कमेटी ने राजकीय महिला महाविद्यालय का दौरा कर अकादमिक सत्र 2026-27 से चार नए पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए प्रस्तावित एफिलिप्शन संबंधी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इनमें एमए साइकोलॉजी की 40 सीटें, बीएससी विद मेजर इन इंग्लिश की 40 सीटें, बीए विद मेजर इन मैथ्स की 40 सीटें तथा फिजिकल एजुकेशन विषय शामिल हैं। निरीक्षण के दौरान कमेटी ने महाविद्यालय के पुस्तकालय, शैक्षणिक एवं प्रयोगशाला सुविधाओं, आधारभूत संरचना, संकाय की उपलब्धता तथा प्रस्तावित पाठ्यक्रमों के संचालन से संबंधित आवश्यक व्यवस्थाओं और दस्तावेजों का गहन अवलोकन किया। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं डीएचईओ महेंद्रगढ़ डॉ. अमित चौधरी ने कमेटी को नए पाठ्यक्रमों के सफल संचालन के लिए की गई तैयारियों और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी। इंसपेक्शन कमेटी की अध्यक्षता आईजीयू मीरपुर के डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश की प्रोफेसर रोमिका बतारा ने की। कमेटी में गणित विभाग से प्रो. सतीश कुमार, मनोविज्ञान विभाग से डॉ. संदीप कुमार तथा राजकीय महिला महाविद्यालय, बादल से डॉ. नरेश कुमार सदस्य के रूप में शामिल रहे। महाविद्यालय की ओर से डॉ. अश्विनी चौधरी, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. यशपाल, डॉ. आरपी सिंह, डॉ. मुकेश यादव, डॉ. अंजू राणी, डॉ. अजय थाकन, डॉ. ममता सिद्धार्थ, डॉ. पवन कुमार, डॉ. सुनील कुमार सहित समस्त स्टाफ सदस्यों ने इंसपेक्शन कमेटी का पुष्पगुच्छ एवं माला पहनाकर स्वागत किया।



प्रदेशभर में समाज के प्रत्येक वर्ग को पार्टी की विकास यात्रा से जोड़ा जाएगा: सुनील

रेवाड़ी। भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष सुनील इंजीनियर के जिले में प्रथम आगमन पर कार्यकर्ताओं की ओर से स्वागत किया गया। भाजपा जिला कार्यलय में आयोजित कार्यक्रम का संचालन पूर्व पार्षद मनोज सैनी ने किया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष वंदना पोपली सहित ओबीसी मोर्चा के प्रदेशस्तरीय वरिष्ठ नेता व अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष वंदना पोपली ने कहा कि सुनील इंजीनियर का कुशल नेतृत्व, निष्ठा और व्यापक संगठनात्मक अनुभव प्रदेश में ओबीसी समाज की भागीदारी की और अधिक मजबूत करेगा। उनके मार्गदर्शन में मोर्चा नए आयाम स्थापित करेगा तथा केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का काम और तीव्र गति से होगा। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि वे पार्टी की कमजूती के लिए पूरी निष्ठा, समर्पण और ऊर्जा के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि ओबीसी समाज सदैव भारतीय जनता पार्टी की रीढ़ रहा है। आगामी समय में प्रदेशभर में संगठन के दांचे को धरातल पर और अधिक सशक्त बनाते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को पार्टी की विकास यात्रा से जोड़ा जाएगा। इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारी, मंडलों के अध्यक्ष तथा कार्यकर्ता मौजूद थे।

पाली स्थित मॉडर्न पब्लिक स्कूल में पर्यावरण प्रहरी सम्मान समारोह आयोजित, 37 गांवों के 92 प्रतिनिधि सम्मानित

पर्यावरण संरक्षण आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता

हरिभूमि न्यूज़ ►► कुंड

सांस्कृतिक अहीरवाल ट्रस्ट खेल खंड की ओर से रविवार को पाली स्थित मॉडर्न पब्लिक स्कूल में पर्यावरण प्रहरी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदे मातरम् के सामूहिक गायन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता पर्यावरणविद् एवं शिक्षाविद् कंवर सिंह यादव ने की। सांस्कृतिक अहीरवाल के निदेशक सत्यव्रत शास्त्री मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि आचार्य यशदेव एवं शुभराम शास्त्री विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम में खेल खंड के 37 गांवों के प्रतिनिधियों ने समारोह में भाग लिया तथा इन गांवों से पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 92 व्यक्तियों को पर्यावरण प्रहरी के रूप में चर्चनित कर

सम्मानित किया गया। इनके अलावा अपने-अपने गांवों में पेड़-पौधे लगाने एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय भूमिका निभाने वाली पांच महिलाओं को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि सत्यव्रत शास्त्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। आधुनिकता के कारण किसानों के खेतों से पेड़ तेजी से कम हुए हैं और गांवों की संरक्षित वन भूमि का विभिन्न कार्यों में उपयोग होने से पर्यावरण संरक्षण की चुनौती और गंभीर हो गई है। इस चुनौती का मुकाबला करने के लिए समाज के आगे आना होगा। बची हुई भूमि पर सघन पौधारोपण कर पर्यावरण को हुए नुकसान की भरपाई करने की दिशा में सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अहीरवाल की परिकल्पना किसी जाति विशेष तक सीमित नहीं है,



रेवाड़ी। कार्यक्रम में पर्यावरण प्रहरियों का सम्मान करते हुए। फोटो : हरिभूमि

बल्कि यह एक समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर है, जिसका संरक्षण और संवर्धन हमारे पूर्वजों ने हजारों वर्षों से किया है। उन्होंने कहा कि आत्मविश्मति के कारण हम अपनी संस्कृति और पूर्वजों के ऐतिहासिक, सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों को भूलते जा रहे थे। अब समाज अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनके योगदान को स्मरण कर रहा

है। हमें अपने सांस्कृतिक मान-बिंदुओं का गौरवपूर्ण ढंग से पालन करना चाहिए तथा आने वाली पीढ़ियों में अपनी संस्कृति के प्रति आदर और सम्मान बनाए रखने के लिए ग्राम स्तर पर ऐसी गतिविधियां निरंतर आयोजित करनी चाहिए। आचार्य यशदेव ने कहा कि करीब 25 वर्ष पूर्व खेल की सघन बनी में पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से

वृक्षारोपण और जल संचय का कार्य शुरू किया गया था। आज उसके सकारात्मक परिणाम दिखाई दे रहे हैं। कंवर सिंह यादव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं है। कृषि भूमि, घरों और प्रतिष्ठानों सहित प्रत्येक स्तर पर पर्यावरण के प्रति जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने लोगों से पर्यावरण संरक्षण को अपनी दैनिक

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जिला संयोजक सुरेंद्र माडिया, सतीश खेड़ा, महेंद्रगढ़ जिला संयोजक, कृष्ण पहलवान मनेटी, नरेंद्र पूर्व प्रधानाचार्य, शिवराज चौहान, जगबीर, राकेश कोलाना, बालकिशन, सिद्धार्थ सरपंच शहबाजपुर, मदन सिंह गोठड़ा, जयकिशन मामा, कैलाश मनेटी, मिथिलेश देवी, अंजना देवी, सुनेन देवी, मेघराज चौरी जरावत, राजकुमार सरपंच चित्ता डूंगरा व अशोक मनवावल प्राध्यापक सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। मॉडर्न पब्लिक स्कूल के मुख्याध्यापक नेमीचंद ने अतिथियों का स्वागत किया तथा खेल खंड संयोजक जयपाल यादव ने अभी का आभार जताया। मंच संचालन जिला प्रभारी यशपाल आर्य ने किया।

डीसी, डीईओ व डीईईओ ने विजेता टीमों को दी बधाई नेटबॉल में स्टेट चैंपियन बनी रेवाड़ी की गर्ल्स टीम, तीनों वर्गों में लड़कियों ने मारी बाजी



रेवाड़ी। नेटबॉल प्रतियोगिता में खेलती लड़कों की अंडर-19 वर्ग की टीम, नेटबॉल प्रतियोगिता में बॉल पकड़ते हुए अंडर-14 वर्ग के खिलाड़ी तथा नेटबॉल प्रतियोगिता की विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान करते हुए।

■ प्रतियोगिता के दूसरे दिन लड़कों के नाकआउट मुकाबलों में भेजबान टीम तीनों वर्गों में जीती हरिभूमि न्यूज़ ►►रेवाड़ी

शिक्षा विभाग की 59वाँ राज्य स्तरीय नेटबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन मॉडल टाउन स्थित हिंदू सीनियर सेकेंडरी स्कूल के खेल मैदान में अंडर-14, 17 व 19 आयु वर्ग की लड़कियों की टीमों के फाइनल मुकाबले कराए गए। इन मुकाबलों में जीत दर्ज कर रेवाड़ी की गर्ल्स टीम तीनों वर्गों में ओवरऑल स्टेट नेटबॉल चैंपियन बन गई है। रेवाड़ी की नेटबॉल टीम पिछले चार वर्षों से स्टेट विजेता का खिताब जीत रही है। मुकाबलों में अंडर-14 आयु वर्ग में रेवाड़ी की गर्ल्स टीम ने झज्जर तथा अंडर-17 व 19 आयु वर्ग टीम

ने फतेहाबाद की टीम को करारी शिकस्त दी। तीन दिवसीय नेटबॉल प्रतियोगिता में प्रदेश से 22 जिलों के करीब 1550 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इसके बाद अंडर-14, 17 व 19 आयु वर्ग की लड़कों के नाकआउट मुकाबले कराए गए, जिसमें भी तीनों वर्गों में रेवाड़ी की लड़कों की टीमों का दबदबा रहा। अंडर-14 आयु वर्ग में रेवाड़ी की लड़कों की टीम ने पानीपत, अंडर-17 आयु वर्ग में पलवल तथा अंडर-19 आयु वर्ग में करनाल पर जीत दर्ज की। 24 अगस्त को अंडर-14, 17 व 19 आयु वर्ग के लड़कों के फाइनल मुकाबलों के साथ तीन दिवसीय खेलों का समापन होगा। डीसी अभिषेक मीणा, डीईओ राजेन्द्र शर्मा व डीईईओ प्रदीप दहिया ने विजेता टीमों को बधाई दी।



रेवाड़ी। नेटबॉल प्रतियोगिता में खेलती लड़कों की अंडर-19 वर्ग की टीम, नेटबॉल प्रतियोगिता में बॉल पकड़ते हुए अंडर-14 वर्ग के खिलाड़ी तथा नेटबॉल प्रतियोगिता की विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान करते हुए।

शिक्षा विभाग से इन्होंने संमाली जिम्मेदारी

दूसरे दिन की खेल प्रतियोगिताओं का निरीक्षण किया। एईओ खेल भूपेन्द्र यादव व एईईओ सुनील कुमार ने नेटबॉल प्रतियोगिताओं के आयोजन में व्यवस्थाएं संभाली। डीपीई सतपाल, रविन्द्र, सुखबीर, जयसिंह, राजकुमार, शिवानी, सुनीता, सुमन, सतीश, अगिल व पूजा ने नेटबॉल मैच कराने में सहयोग दिया। इस मौके पर प्रदेश से आई टीमों के प्रमारी भी मौजूद थे।

लड़कों के नेटबॉल नाकआउट मुकाबलों की विजेता टीम

अंडर-14 आयु वर्ग

पानीपत व रेवाड़ी के बीच मैच में रेवाड़ी की टीम 8-2 से विजेता रही। अंबाला व सोनीपत के बीच मैच में सोनीपत 10-6, हिंसा व भिवानी के बीच मैच में भिवानी 7-1, फतेहाबाद व झज्जर के बीच मैच में झज्जर 9-1, पंचकूला व रोहतक के बीच मैच में रोहतक 6-2 तथा पलवल व करनाल के बीच मैच में करनाल की टीम 3-2 से विजेता रही

अंडर-17 आयु वर्ग

रेवाड़ी व पलवल के बीच मैच में रेवाड़ी की टीम 12-4 से विजेता रही। करनाल व झज्जर के बीच मैच में झज्जर 14-6, महेंद्रगढ़ व यमुना नगर के बीच मैच में यमुना नगर 14-6, अंबाला व गुरुग्राम के बीच मैच में गुरुग्राम 25-7, जींद व सोनीपत के बीच मैच में सोनीपत 25-18 तथा फरीदाबाद व फतेहाबाद के बीच मैच में फतेहाबाद की टीम 18-12 से विजेता रही।

अंडर-19 आयु वर्ग

रेवाड़ी व करनाल के बीच मैच में रेवाड़ी की टीम 10-7 से विजेता रही। वहीं पानीपत व चरखी दादरी के बीच मैच में चरखी दादरी 12-3, रोहतक व झज्जर के बीच मैच में रोहतक 11-2, यमुना नगर व फरीदाबाद के बीच मैच में यमुना नगर 11-3, कैथल व जींद के बीच मैच में कैथल 7-3 तथा फतेहाबाद व पलवल के बीच मैच में फतेहाबाद की टीम 19-2 से विजेता रही।

फोटो : हरिभूमि

ये रहे लड़कियों के नेटबॉल मुकाबलों के विजेता

अंडर-14 आयु वर्ग में रेवाड़ी की गर्ल्स नेटबॉल टीम जीत दर्ज कर स्टेट विजेता बनीं। दूसरे स्थान पर झज्जर की टीम रही, जबकि सोनीपत की टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर-17 आयु वर्ग में रेवाड़ी की टीम विजेता रही। दूसरा स्थान फतेहाबाद की टीम ने हासिल किया, जबकि

यमुना नगर की टीम तीसरे स्थान पर रही। अंडर-19 आयु वर्ग में भी रेवाड़ी की गर्ल्स टीम ने जीत दर्ज कर ट्रॉफी अपने नाम की। दूसरे स्थान पर फतेहाबाद व तीसरे स्थान पर सिरसा की टीम रही। आयोजकों की ओर से विजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान की गई।

खबर संक्षेप

जिला परिवेदना समिति की बैठक आज

रेवाड़ी। जिले के नागरिकों की शिकायतों का निवारण करने के लिए जिला लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की मासिक बैठक 24 अगस्त को कूल 12 परिवादों के बाल भवन में की सुनवाई की होगी। बैठक की जाएगी

हरियाणा के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी व लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवार करेंगे। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 12 परिवादों की सुनवाई की जाएगी। इनमें 8 नए व 4 लंबित मामले शामिल हैं। इस अवसर पर जिले के विधायक, विभाग अध्यक्ष, पंचायत व निकाय समितियों के चेयरमैन तथा जिला कष्ट निवारण समिति के सदस्य उपस्थित रहेंगे।

खुशपुरा पावर हाउस में आज होगा मेटेनॉस कार्य

कोसली। कोसली सब डिवीजन के अंतर्गत 33 केवी खुशपुरा पावर हाउस में 24 अगस्त को मेटेनॉस के कार्य के लिए दो घंटे बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। पावर हाउस इंचार्ज चन्द्रजीत एसएसए ने बताया कि मरम्मत कार्य सुबह 8:05 से 10:05 बजे तक होगा, जिसके कारण 11 केवी नांगल पठानी डीएस, दड़ौली एपी, बाबडौली एपी, फतेहपुरी डीएस, खुशपुरा डीएस, खुशपुरा एपी, बालधन एपी व जलापूर्ति फीडरों की बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी।

सौ मीटर में लक्ष्य व एक किलोमीटर दौड़ में तन्वी बनी विजेता

कोसली। कारोली गांव के खेल मैदान में रविवार को 11वीं हरियाणा राज्य ओपन जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए जिले के खिलाड़ियों का ट्रायल लिया गया। सचिव विशाल यादव ने बताया कि ट्रायल में 14 वर्ष से कम आयु वर्ग के लड़कों में दीपेश, गौरव व कार्तिक ने तथा लड़कियों में अंशिका, प्रेरणा और एकता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 16 वर्ष से कम आयु वर्ग के लड़कों की 60 मीटर दौड़ में अजय ने प्रथम, रविंद ने द्वितीय और शौर्य ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 19 वर्ष से कम आयु वर्ग की लड़कियों की 60 मीटर दौड़ में बाबी ने प्रथम, विंशिका ने द्वितीय व अक्षरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार 18 वर्ष से कम आयु वर्ग के लड़कों की 100 मीटर दौड़ में लक्ष्य ने प्रथम व दुष्यंत ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 18 वर्ष से कम आयु वर्ग की लड़कियों की 1 किलोमीटर दौड़ में तन्वी ने प्रथम व मीनक्षी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।



रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद शिक्षक व विद्यार्थी।

फोटो : हरिभूमि

सोच और उद्यमिता को अपनाने का संदेश दिया। इस मौके पर कुलपति प्रो. मिगलानी ने कहा कि आज का युग नवाचार और नए विचारों का है। जेन-एच आईडियाथॉन जैसे कार्यक्रम युवाओं को केवल सोचने का अवसर ही नहीं देते, बल्कि उनके विचारों को समाज और देश की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक रूप में बदलने की

प्रेरणा भी देते हैं। कुलसचिव प्रो. दिशबाग सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और उन्हें नवाचार के क्षेत्र में नई दिशा देने के लिए सदैव तत्पर है। इस अवसर पर डीन अकेडमिक अफेयर्स प्रो. सुनील कुमार तथा डीन छात्र कल्याण प्रो. करण सिंह सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षकगण, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

आईजीयू में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए इंडक्शन कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज़ ►►मीरपुर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की ओर से नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत एवं मार्गदर्शन के लिए एक दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नए छात्रों को विश्वविद्यालयीन माहौल, विभागीय सुविधाओं, पाठ्यक्रम और मनोविज्ञान के व्यावहारिक महत्व से अवगत कराना था। इस मौके पर डीन एवं विभागाध्यक्ष डा.

विद्यार्थियों को अनुशासन, समय प्रबंधन और सकारात्मक सोच अपनाने पर दिया जोर



विजेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को अनुशासन, समय प्रबंधन और सकारात्मक सोच अपनाने पर जोर दिया। मुख्य वक्ता प्रो. रोमिका बत्रा सुखीजा ने प्रभावी

कम्यूनिकेशन स्किल्स को सफलता की कुंजी बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि मनोविज्ञान का अध्ययन व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन को समृद्ध बनाता है।

स्वच्छता बनाए रखना सामूहिक जिम्मेदारी

प्रधान चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेंद्र यादव ने कहा कि अस्पताल में स्वच्छता बनाए रखना केवल सफाई कर्मचारियों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि अस्पताल से जुड़े प्रत्येक कर्मचारी की सामूहिक जिम्मेदारी है। नियमित स्वच्छता के साथ समय-समय पर इस प्रकार के विशेष स्वच्छता अभियान चलाने से अस्पताल का वातावरण मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए अधिक स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाया जा सकता है। उन्होंने सभी कर्मचारियों को निर्देश दिए कि अभियान के दौरान की गई सफाई को निरंतर बनाए रखा जाए तथा अस्पताल परिसर में कूड़ा-कचरा जमा न होने दिया जाए।

अभियान की जमीनी स्तर पर कार्ययोजना को मदन सुपरवाइजर ने संचालन किया। वहीं करतार सुपरवाइजर, तरुण सुपरवाइजर,

वर्षा ने पहले प्रयास में की एचटेए परीक्षा उत्तीर्ण

कोसली। कोसली गांव निवासी अजरा वर्षा यादव ने एचटेए परीक्षा प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण कर अपने परिजनों व गांव का नाम रोशन किया है। वर्षा यादव ने अपनी स्कूली शिक्षा कोसली के रावमा विद्यालय से तथा राजकीय महाविद्यालय कोसली से बीएससी की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने दादा हेडमास्टर रतन सिंह यादव को दिया है। वर्षा ने कहा कि उन्होंने लगातार पढ़ाई, अनुशासन व कड़ी मेहनत से परीक्षा की तैयारी की तथा पहले ही प्रयास में सफलता प्राप्त की।



यादव सभा के निःशुल्क कैंप में 120 मरीजों ने करवाई स्वास्थ्य जांच



रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गद्दी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 120 मरीजों को निःशुल्क चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गईं। डॉक्टरों की टीम में शामिल डा. एच आर यादव ने मेडिसिन, डा. पार्थ यादव ने हड्डी रोग, डा. गौरव यादव ने सर्जरी, डा. गौतम यादव ने नेत्र रोग व डा. अमन यादव ने स्त्री रोग के मरीजों की स्वास्थ्य जांच कर उचित परामर्श दिया। कैंप में फिनजियोथेरेपी कंसल्टेंसी की सेवाएं भी प्रदान की गईं। राजेश यादव, पवन कुमार व बाबूलाल ने मरीजों को निःशुल्क दवाइयों वितरित कीं। शिविर के आयोजन में यादव सभा कार्यकारिणी से प्रधान रामबीरयादव, जसवंत सिंह, अमर सिंह, राम सिंह, प्रवक्ता प्रो. सतीश यादव, गोकुल राम, शशिभूषण, विजय पाल व रंजीत सिंह का योगदान रहा।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सएप करें :-

रेवाड़ी कार्यालय : टूकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महारणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 8291554800

समारोह पूर्व मंत्री जसवंत रहे सीएम के मंच पर मौजूद

कांग्रेस जिलाध्यक्षों को रखा घर में बंद

नरेन्द्र वत्स ►►रेवाड़ी

रविवार को बावल अनाजमंडी में आयोजित मेघवाल उद्यान समिति के समारोह में सीएम नायब सिंह सैनी के आगमन पर भाजपा का आंतरिक गुटबाजी की झलक एक बार फिर देखने को मिले। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत का किसी अन्य कार्यक्रम में व्यस्त होने के कारण आना पहले से ही तय नहीं था, जिस कारण मंच पर राव विरोधी गुट से जुड़े नेताओं के सामने 'असहज' होने की नौबत नहीं आई। समाज की ओर से इस कार्यक्रम को विशुद्ध रूप से सामाजिक बनाने का सफल प्रयास किया गया, जिसमें विपक्षी नेताओं ने भी बेझिझक शिरकत की। एक ओर पुलिस ने कांग्रेस के शहरी और ग्रामीण जिलाध्यक्षों को सीएम

के कार्यक्रम तक घरों से बाहर नहीं निकलने दिया, तो दूसरी ओर पूर्व मंत्री व कांग्रेसी नेता जसवंत सिंह बावल सीएम के मंच पर मौजूद रहे। कार्यक्रम में वैसे तो सब कुछ सामान्य रहा, परंतु कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह की जुबान पर जिलाध्यक्ष डा. वंदना पोपली का नाम नहीं आया तो उपस्थित लोगों में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया। खास बात यह भी रही कि अधिकांश वक्ताओं की जुबान पर केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह का नाम नहीं आया, लेकिन इस कमी को उनके 'राजनीतिक चले' विधायक डा. कृष्ण कुमार ने बखूबी पूरा कर दिया। उन्होंने प्रदेश सरकार की विकास योजनाओं का जिक्र करते हुए सीएम नायब सिंह सैनी की तो सराहना की ही, साथ ही माजरा में निर्माणाधीन



रेवाड़ी। सम्मेलन में सीएम के साथ मंच पर बैठे कांग्रेसी नेता जसवंत सिंह गोले में।

एम्स के लिए राव इंद्रजीत सिंह के प्रयासों की भी जमकर तारीफ की। वह अकेले ऐसे वक्ता रहे, जिन्होंने बावल हलके में एम्स लाने का श्रेय राव इंद्रजीत सिंह को देते हुए उनकी तारीफ की। डा. कृष्ण को छोड़कर किसी भी वक्ता की जुबान पर राव का नाम नहीं आया। कार्यक्रम में राव

के नहीं आने के कारण उनके समर्थकों ने भी दूरी बनाए रखी।

संयुक्त प्रयासों से जुटी अच्छी नीड़

सीएम के कार्यक्रम में मौजूद जुटने का जिम्मा देखे तो मेघवाल उद्यान समिति के कक्षों पर था, लेकिन समाज से जुड़ा होने के नाते पूर्व मंत्री डा. बनवारीलाल ने भी जनसंपर्क पर जमकर पसीना बहाया था। सीएम के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिलाध्यक्ष डा. वंदना पोपली की टीम ने भी पूरा जोर लगाया हुआ था। समिति से जुड़े एडवोकेट रजवंत डहौलवाल व दूसरे पदाधिकारियों की मेहनत भी कार्यक्रम को सफल बनाने में रंग लाई।



रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए पर्यावरण की रक्षा करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी

■ अहीर कॉलेज में वार्षिक ग्रीन कैंपस दिवस का आयोजन पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज़ ►►रेवाड़ी

अहीर कॉलेज में यूथ रेडक्रॉस, इको क्लब, एनएसएस तथा एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में वार्षिक ग्रीन कैंपस दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पौधरोपण अभियान चलाकर विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राव राघवेंद्र सिंह जनरल सेक्रेटरी अहीर कॉलेज सोसायटी थे। उन्होंने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य के लिए पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा

उनके संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर अहीर कॉलेज की प्राचार्या डा. उर्मिला शर्मा ने विद्यार्थियों को लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने तथा अपने आसपास अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि केवल पौधरोपण करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों का संरक्षण एवं नियमित देखभाल करना भी उतना ही आवश्यक है।

कार्यक्रम में यूथ रेडक्रॉस एवं एनएसएस स्वयंसेवकों, एनसीसी के डेडेट्स तथा इको क्लब के विद्यार्थियों ने बड़-चढ़कर भाग लिया। यूथ रेडक्रॉस प्रभारी रेनु यादव, इको क्लब प्रभारी डा. मीना कुमारी, एनएसएस प्रभारी डा. दीपक कुमार व प्रो. आशु रानी तथा एनसीसी प्रभारी डा. अल्पना यादव व प्रो. संजीव कुमार ने पौधरोपण अभियान में योगदान दिया। इस अवसर पर कॉलेज के सभी स्टाफ सदस्यों ने पौधे लगाए तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं देखभाल का संकल्प लिया।